



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 4, 1988/माघ 15, 1909
No. 3] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 4, 1988/MAGHA 15, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1988

सं. सैकेटेरियल : 9.2.10 :—राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1985
(1985 का 64) के खण्ड 38 के उपखण्ड (2) की धारा (ब) के साथ पठित उपखण्ड

(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण, केन्द्र सरकार के अनुमोदन से, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. लघु शीर्षक एवं लागू करना :—(1) इन विनियमों को राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (संविदा) विनियम, 1987 कहा जाएगा ।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. वे संविदाएं या संविदाओं की श्रेणियां जिन्हें प्राधिकरण की सामान्य मोहर से मोहरबन्द किया जाना अपेक्षित होगा :—निम्नलिखित संविदाएं या संविदाओं की श्रेणियों को प्राधिकरण की सामान्य मोहर से मोहरबन्द किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) केन्द्र सरकार के पूर्ण अनुमोदन से की जाने वाली संविदाएं;

(ख) प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन से की जाने वाली संविदाएं;

(ग) केन्द्र सरकार द्वारा प्राधिकरण को स्वीकृत ऋणों, अनुदानों और पेशगियों से संबंधित संविदाएं;

(घ) प्राधिकरण के अध्यक्ष या किसी पूर्व कालिक सदस्य द्वारा जिस प्राधिकरण द्वारा सामान्य या विशेष रूप से इस कार्य के लिए प्राधिकृत किया गया हो, की जाने वाली अन्य सभी संविदाएं ।

3. संविदाएं करने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति (1) प्राधिकरण प्रत्येक संविदा में एक पक्ष होगा और प्राधिकरण के अध्यक्ष या किसी ऐसे सदस्य या अधिकारी के, जिसे प्राधिकरण के द्वारा इस कार्य के लिए प्राधिकृत किया गया हो, हस्ताक्षर के नीचे पदनाम के बाद "कुले और राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से" अंकित किया जाएगा ।

(2) सभी संविदाओं को अन्तिम रूप से करार विनियम, लाइसेंस, विलेख अनुबंध-पत्र या ऐसे ही अन्य दस्तावेज पर जैसा भी अपेक्षित हो, और जहां आवश्यक हो, वहां समुचित स्टाम्प मूल्य न्यायिक कागज पर प्राधिकरण तथा संबंधित पक्ष के विधिवत हस्ताक्षर से ही निष्पादित किया जाएगा ।

एयर मार्शल जे. शा. राजे, प. वि. से. पदक, अ. वि. से. पदक, अध्यक्ष

NATIONAL AIRPORTS AUTHORITY

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 1988

No. SEC : 9.2.10.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (d) of sub-section (2) of Section 38 of the National Airports

Authority Act, 1985 (64 of 1985), the National Airports Authority, with the approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the National Airports Authority (Contracts) Regulations, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Contracts or class of contracts which are required to be sealed with the common seal of the Authority.—The following contracts or class of contracts shall be sealed with the common seal of the Authority, namely :—

- (a) Contracts to be made with the previous approval of the Central Government;
- (b) Contracts to be made with the previous approval of the Authority;
- (c) Contracts regarding loans, grants, and advances sanctioned to the Authority by the Central Government;
- (d) All other contracts to be made by the Chairman or any other whole-time Member of the Authority who may be generally or specially empowered in this behalf by the Authority.

3. Manner in which contracts are required to be made :

- (1) The Authority shall be made a party to every contract and the words “for and on behalf of the National Airports Authority” shall follow the designation appended below the signature of the Chairman or such other Member or such officer of the Authority as may be generally or specially empowered in this behalf by the Authority.
- (2) All contracts shall be finalised by the execution of a Deed of Agreement, Deed of Licence, Indenture or a like instrument, as the case may be, on judicial paper of appropriate stamp value where necessary and duly signed by the Authority and the part concerned.

AIR MARSHAL C. K. S. RAJE, PVSM, AVSM, Chairman

